an>

title: Need to commence international direct flight to Amritsar from different parts of the world.

श्री गुरजीत सिंह औजला (अमृतसर): महोदय, आज यह आपसे मेरा पहला सम्बोधन है। मैं आपके माध्यम से हाउस को विनती करना चाहता हूँ कि मैं उस लोक सभा क्षेत्र (अमृतसर) से चुनकर आया हूँ और उसकी जो पोजिशन इस टाइम है, क्योंकि पहले वे मुगलों से लड़ते रहे, वर्ष 1965 और वर्ष 1971 की जंग हुई, आतंकवाद का साया अमृतसर के सभी लोगों ने अपने ऊपर मंढाया। इसी वजह से वहाँ की इंडस्ट्री तबाह हो गयी। वहाँ बहुत बड़ा काम था, वहाँ वूलन की इंडस्ट्री थी, राइस की इंडस्ट्री थी, टी का बहुत बड़ा व्यापार था और यह सब इंडस्ट्री तबाह हो गयी। माननीया श्रीमती इन्दिरा गाँधी जी ने वर्ष 1981 में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वहाँ बनाया, जिसकी वजह से अनेकों पंजाबी जो बाहर रहते हैं, उनकी एक आस्था श्री गुरू रामदास जी की धरती पर माथा टेकने और वहाँ आने की है। मैं विनती करना चाहता हूँ कि इंटरनेशनल एयरपोर्ट वर्ष 1981 का बना हुआ है, वर्ष 2004 से वर्ष 2007 तक वहाँ से सिंगापुर, न्यूयॉर्क, कनाडा और लन्दन के लिए फ्लाइट शुरू हुई, उसकी वजह से 5 लाख 96 हजार पैसेंजर वहाँ आया। जिसमें 5 लाख अन्तर्राष्ट्रीय पैसेंजर था और 96 हजार डोमेस्टिक पैसेंजर था। वर्ष 2012 तक यह आँकड़ा बढ़कर 15 लाख हो गया, लेकिन जो अन्तर्राष्ट्रीय पैसेंजर था, वह सिर्फ 5 लाख रह गया और 11 लाख डोमेस्टिक पैसेंजर था। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सारी डायरेक्ट फ्लाइट्स कैन्सिल हो गई।

महोदय, मेरी आपके माध्यम से सरकार से डिमांड है कि वह हमारा टूरिस्ट पैलेस है, वहाँ लव और कुश जी का जन्म हुआ है, वहाँ सीता माता जी गई हैं। सब लोग वहाँ आना चाहते हैं। गुरू नानक देव जी आखिरी समय में वहाँ रहे हैं। करतारपुर साहिब, जिसका केस अभी चल रहा है, हम भी माँगते हैं कि हमें वह रास्ता चाहिए। इन सबके लिए, सब पंजाबी वहाँ आना चाहते हैं, हम चाहते हैं कि हमें अमृतसर के लिए अन्तर्राष्ट्रीय डायरेक्ट फ्लाइट्स दी जायें। वहाँ का भौगोलिक तौर पर विकास हो सके। हमें अन्तर्राष्ट्रीय डायरेक्ट फ्लाइटें सिंगापुर, यूरोप और कनाड़ा के लिए चाहिए, क्योंकि वहाँ बहुत पंजाबी रहते हैं और वे सब गुरू रामदास की धरती पर नत-मस्तक होना चाहते हैं। यह मेरी आपके माध्यम से सिविल ऐविएशन मिनिस्टर से डिमांड है। धन्यवाद।

माननीय सभापति :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री गुरजीत सिंह औजला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।